

**राज्यपाल ने डॉ० राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की**  
**डॉ० लोहिया के विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है - श्री नाईक**

लखनऊ: 12 अक्टूबर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डॉ० राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर राम मनोहर लोहिया पार्क गोमती नगर जाकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण करके अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ० लोहिया एक प्रसिद्ध समाजवादी विचारक, लेखक, भाषाकार, अर्थशास्त्री एवं मौलिक चिन्तन करने वाले दार्शनिक थे। डॉ० लोहिया काँल मार्क्स के विचारों को अधूरा मानते थे, सोवियत संघ रूस के बिखराव के बाद उनकी बात सही साबित हुई। उन्होंने कहा कि डॉ० लोहिया ने जो विचार रखे थे, उनको आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

श्री नाईक ने कहा कि डॉ० राम मनोहर लोहिया भगवान राम को आदर्श मानते थे। चित्रकूट में रामायण मेला का शुभारम्भ करने की कल्पना डॉ० लोहिया द्वारा की गयी थी। भारतीय संस्कृति के प्रति उनका लगाव था। समाज में काम करते हुये सबको जोड़ना, विचारों को व्यवहार में उतारना तथा वैचारिक शुद्धता उनकी विशेषता थी। उन्होंने कहा कि डॉ० लोहिया सच्चे अर्थों में एक जननेता थे।

राज्यपाल ने कहा कि भारत आजाद हो इस नाते डॉ० राम मनोहर लोहिया स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भी काम करते थे। डॉ० राम मनोहर लोहिया में समर्पित कार्यकर्ता एवं कुशल नेता के गुण थे। डॉ० लोहिया ने विरोध स्वरूप लंदन में पढ़ाई न करके जर्मनी में पढ़ने का निर्णय लिया। डॉ० लोहिया के मन में विदेशी शासन का कितना विरोध था उनका निर्णय इस बात का परिचायक था।

अंजुम/ललित/राजभवन (395/20)



